ईश्वर से करें अपने दिल की बात...

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

भगवान से सर्व नातों का सुख परम सुख है। अलौकिक सुख है। सबकुछ प्रदान करने वाला है। जन्म-जन्म की थकान मिटाने वाला है। सब जानते हैं, जिस तरह से जब एक बाप अपनी लड़की का सम्बन्ध किसी बड़े परिवार में कर दे, और खुद साधारण परिवार में है तो उसी दिन से उनको क्या नशा रहने लगता है? वो हज़ार लोगों को बताएंगे कि मेरी लड़की फलाने घर में गई है। सुना है वो परिवार का नाम! इतने बड़े परिवार में चली गई है। नातों की खुमारी संसार में भी रही है। वो कहीं-कहीं अहम में बदल गई। लेकिन हमारे नाते तो हमें निरहंकारी और नम्र बनाते हैं। तो हमारा नाता भगवान से जुड़ गया है, वो मेरा हो गया है। और अब वो परम शिक्षक के रूप में हमारे सामने आया है। देखो पढ़ते हुए सब जानते हैं किसी को अच्छा टीचर मिले, अच्छा लेक्चरर मिल जाये, जिसकी पढ़ाई से बच्चे बहुत होशियार हो जायें, रिज़ल्ट बहुत सुन्दर हो जाये। जो कमज़ोर बच्चे हैं वो भी अच्छे अंक लाने लगें। नशा रहता है कि हमारे कॉलेज में फिज़िक्स का लेक्चरर है वो भी एक्सपर्ट। उसकी पढ़ाने की कला बहुत सुन्दर है। हमारे मैथेमेटिक्स का ये प्रोफेसर है। ये बहुत अच्छा पढ़ाता है।

लेकिन हमारी ब्रह्माकुमारी यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है। सोचकर देखो, जिसने आदि-मध्य-अन्त का, सृष्टि का सम्पूर्ण ज्ञान दे दिया। ऐसा ज्ञान दे दिया जो बातें शास्त्रों में अनसुलझी थीं, अनउत्तरित थीं। जिनके बारे में कोई कुछ नहीं जानता था। वो रहस्य हँसते-हँसते एक-एक, दो-दो लाइन में स्पष्ट कर दिए। तो हमें भी ये नशा हो कि मैं गॉडली स्टूडेंट हूँ, मुझे पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है। जिसको पढ़ाने वाला भगवान हो उसकी पढ़ाई का स्टेटस कितना हाइएस्ट होगा! पढ़ाने वाला भगवान, तो पढ़ाई से मिलती है स्वर्ग की राजाई। जितना अच्छा पढ़ेंगे उतना ही अच्छा पद भविष्य में मिलेगा। पदों का कितना महत्त्व है आजकल। आईएएस, आईपीएस बनने के लिए स्टूडेंट्स कितनी मेहनत करते हैं, कॉचिंग करते हैं, धन खर्च करते हैं। ये सब तो नौकरियां हैं, अधीनता है। यहाँ मिलती है स्वर्ग की राजाई। विश्व की नहीं, विश्व में भी जो स्वर्ग है उसकी राजाई। तो हमें बहुत खुशी, बहुत नशा रहना चाहिए कि हमें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है। हम उसकी पढ़ाई को बहुत अच्छी तरह पढ़ेंगे। रेगुलर स्टूडेंट बनेंगे, उसके ज्ञान का चिंतन करेंगे। तो हमारा उससे नाता गहन होता जायेगा और उसकी पढ़ाई हमारी बुद्धि को श्रेष्ठ, डिवाइन, और तेजस्वी बनाती जायेगी। मैंने कितने लोगों को देखा है, कुमार-कुमारियों को देखा है, उनकी बुद्धि तेजस्वी हो गई ज्ञान-योग में आते ही। जिन्होंने अपने को उलझाया नहीं वो बहुत महान बन गये। तो सुप्रीम टीचर का नाता उससे हमें जोड़ना है।

तीसरा सबसे इम्पोर्टेंट नाता सद्गुरू का है। वो परम सद्गुरू है, वो अपने शिष्य हमें

मैं तुम्हें मुक्ति का मार्ग दिखाने आया हूं। मैं तुम्हें सरल राह दिखा रहा हूं। मैं तुम्हारे लिए प्रकाश लाया हूं। इस प्रकाश से तुम्हारी राहें स्पष्ट दिखने लगी हैं। बस इन राहों पर चलना तुम्हारा काम है।

नहीं बनाता कि तुम मेरे चेले हो, मेरे चरण छू लो, उसको तो चरण है ही नहीं। वो कहता है मैं तुम्हारी गति-सद्गति करने आया हूँ। मैं तुम्हें मुक्ति का मार्ग दिखाने आया हूँ। मैं तुम्हें सरल राह दिखा रहा हूँ। मैं तुम्हारे लिए प्रकाश लाया हूँ। इस प्रकाश से तुम्हारी राहें स्पष्ट दिखने लगी हैं। बस इन राहों पर चलना तुम्हारा काम है। मंत्र दे दिया- मनमनाभव। ये मंत्र रटने का नहीं है। इसका अर्थ है बुद्धि योग मेरे से लगाओ। हमें उसके स्वरूप का ज्ञान हो गया। वो निराकार ज्योति स्वरूप है। ज्ञान सूर्य है। सर्वशक्तिवान है। उसके स्वरूप से हम बुद्धि लगाते हैं, मन लगाते हैं, हमारी बुद्धि स्वच्छ होने लगती है। बुद्धि को स्थिर करने में शिव बाबा की मदद मिलती है। जैसे दुनिया में बहुत लोग जो सत्संगी होते थे, जिन्होंने गुरू किये होते थे उनको बहुत नशा रहता था। फलाना संत मेरा गुरू है। कभी कई संतों का नाम था भारत में। लेकिन अब तो नहीं है। लेकिन उन्होंने संसार के लिए बहुत अच्छे काम किए हैं। समाज को बहुत सुन्दर व्यवस्था दी,गाइड लाइन दी। लेकिन जब सब खेल बिगड़ गया तो भगवान परमसद्गुरू बनकर आया, तो हमें भी नशा रहे हम उसके फॉलोअर हैं। जो गति-सद्गति दाता है। उसके बन गये, उनसे नाता जोड़ लिया। गति-सद्गति, मुक्ति-जीवनमुक्ति, पर हमारा अधिकार हो गया है। हमें मांगना नहीं है। उन्होंने सरल मार्ग भी दिखा दिया है। तुम योग से अपने सभी विकर्म नष्ट कर दो। मुक्त होकर तुम अपने धाम चले जाओगे। तुम इस पढ़ाई पर ध्यान दो, तुम्हें हाइएस्ट स्टेटस मिल जायेगा।

इस नशे में रहें स्वयं भगवान परम सद्गुरू बनकर हमें राह दिखा रहा है। वो हमारी माँ है, प्यार दे रही है। वो हमारा प्रियतम है, साजन है, श्रृंगार कर रहा है। बस हम उस श्रृंगार को बिगाड़ न दिया करें। बच्चे होते हैं ना, माँ श्रृंगार करके स्कूल में भेजे और बिगाड़ के आते हैं सब। हमें श्रृंगार को कायम रखना है और वो श्रृंगार है- सद्गुणों का, वो श्रृंगार है- प्युरिटी का। वो श्रृंगार कर रहा है हमारा सर्व शक्तियों से, श्रेष्ठ संकल्पों से। ये सबसे बड़े श्रृंगार हैं। भगवान परम सद्गुरू के द्वारा किया गया श्रृंगार जो हमारा प्रियतम है, ये हमारी पर्सनैलिटी को चमका देता है। हमारे जीवन को खुशियों से भर देता है। सुख-शांति तो हमारी नेचर बन जाती है। तो हम सभी अपने सभी नाते एक से जोड़ लें।

हमारे सच्चे दिल से, दिल की गहराई से, ये बात निकला करे कि वो मेरा है। इस मेरेपन में सर्व सम्बन्धों का सार समाया हुआ है। बस इसकी अनुभूति हमें तभी होगी जब हम जो हमारे लौकिक नाते रिश्ते हैं उनमें आत्मिक भाव रखेंगे। उन्हें छोड़ नहीं देना है। उनमें आत्मिक भाव रखेंगे और ये संकल्प करेंगे ये सब भी भगवान के बच्चे हैं, इन सबका नाता भी उससे ही हमें जोड़ना है। उसी के द्वारा ही इन सबका बेड़ा पार होगा। जिसको पूरा परिवार भी फॉलो करे। अपना जीवन ऐसा बना देना है कि पूरा परिवार हमारे जीवन से बहुत कुछ सीखता चले। तो उनका नाता भी एक से जुड़ जायेगा।

झाबुआ-म.प्र.। वन एवं पर्यावरण कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन नागर सिंह चौहान, प्रसिद्ध उद्योगपति बृजेश शर्मा, शैलेष दुबे तथा किशोर शाह लोकसभा संयोजक को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जयंती बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन व ब्र.कु. सविता बहन।

हाथरस-उ.प्र.। अखिल भारतीय यादव महासभा द्वारा आयोजित 'होली मिलन समारोह' में ब्रह्माकुमारीज द्वारा सहभागिता की गई। इस मौके पर कार्यक्रम में मंचासीन हैं केन्द्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी, प्रो. डॉ. भरत यादव, ब्र.कु. शान्ता बहन, ब्र.कु. मीना बहन, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय भारद्वाज तथा निवर्तमान अध्यक्ष कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन अधिवक्ता प्रेम सिंह यादव।

भिलाई-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म 'द लाइट' की सूर्या ट्रेजर आइलैंड के पीवीआर में लॉन्चिंग हुई। सांसद विजय बघेल, रजनी बघेल, एम.एम. त्रिपाठी चेयरमैन केपीएस ग्रुप, संजीव सिंह इंस्पेक्टर आरपीएफ, मनोष गुप्ता चेयरमैन बीएसबीके ग्रुप, वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ आजतक के संपादक लखन वर्मा, डॉ. रक्षा सिंह व ब्र.कु. आशा दीदी ने दीप प्रज्वलित कर फिल्म का विधिवत शुभारंभ किया।

भादरा-राज.। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में आयोजित होली के कार्यक्रम में उपस्थित हैं स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. चंद्रकांता दीदी, बिजली बोर्ड से दीवान सिंह, बिजनेसमैन रमेश बडवे वाले, ईंट भट्ठों के मालिक देवानंद सर्राफ तथा अन्य।

चंद्रपुर-महा.। होली के पावन पर्व पर कला एवं संस्कृति प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज चंद्रपुर द्वारा चांदा क्लब ग्राउंड में 'वैश्विक संस्कृति-प्रेम, शांति, सद्भावना' एवं 'सांस्कृतिक संध्या' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका और लाइव परफॉर्मर पामेला जैन, गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स होल्डर प्रीतपाल सिंह पन्नू, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,अध्यक्षा,आईटी एंड एडमिनिस्ट्रेटिव विंग,ओआरसी गुरुग्राम, राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,अध्यक्षा,कला एवं संस्कृति प्रभाग,अहमदाबाद, ब्र.कु. दयाल भाई,माउण्ट आबू, गायक जय गोपाल लूथरा,चंडीगढ़, मिमिक्री कलाकार और गायक ब्र.कु. नितिन भाई,माउण्ट आबू, ब्र.कु. सतीश भाई,माउण्ट आबू, कला एवं संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. प्रेम बहन,करनाल सहित अन्य प्रतिष्ठित लोग व कला प्रेमी शामिल हुए। इस मौके पर सभी कलाकार एवं अतिथियों को महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

राजकोट-अवधपुरी(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर 3000 श्रीफल से निर्मित 15 फीट के शिवलिंग का दर्शन करने के पश्चात् उपस्थित हैं बिल्डर एसोसिएशन के प्रमुख परेश भाई गजेरा, बीजेपी प्रमुख डॉ. भरत भाई बोधरा, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन तथा अन्य।

इंदौर-प्रेमनगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत आयोजित 'परमात्मा शिव द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन' विषयक कार्यक्रम में श्रीमती अनीता शाह,प्रिंसिपल इंदिरा विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल, राम निवास बुधौलिया,जिला कार्यक्रम अधिकारी,महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रो. डॉ. रेणु जैन,कुलपति देवी अहिल्या विश्व विद्यालय,इंदौर, प्रो. ज्योति दुधिया,गर्ल्स डिग्री कॉलेज,इंदौर, कुमारी अलका ठाकुर,सीमा सुरक्षा बल भारत-नेपाल बॉर्डर, प्रो. रेखा मेलवानी,श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय,इंदौर, श्रीमती श्रुति बड़ोले,हाईकोर्ट एडवोकेट, ब्र.कु. शशि दीदी,संचालिका ब्रह्माकुमारीज प्रेमनगर यूनिट इंदौर, ब्र.कु. यक्तिनी दीदी,संचालिका,बिजलपुर सेवाकेंद्र एवं उप संचालिका प्रेमनगर यूनिट, ब्र.कु. शारदा दीदी,संचालिका,बैराठी कॉलोनी सेवाकेंद्र सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

खेड़ी लखा सिंह-रादौर(फतेहाबाद)। होली उत्सव कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राज बहन। साथ हैं भाजपा मंडल अध्यक्ष हैप्पी जी(वीरेंदर), ब्र.कु. राजू भाई व अन्य समाज सेवी।